



सुख मूल्य

23 APR 2005

सुख पोसाधिकारी
शायर



03CC 312524

उ० प्र० स्टाम्प अधिनियम सन् १८९६
की धारा २(१०) व सूची १-बी के
आटीसी-२३ के अनुसार स्टाम्पित-

Prabashgarwal

- सुला मूल्य
- विनियमन तापदी - ८,००,०००) आठ लाख रुपया
- एक किला सुला मूल्य मिनगुमला आराजी नम्बर पुराना
१७३६।३ नमा २२५८ (मीजा पदवासन मुस्तकिल मुहाल किन्मर
राव सेक्ट नम्बर ५), मिनगुमला कारपोरेशन नम्बर २१।२७७
जीवनीमण्डी पुरता बाई शहर आगरा पोत्रफल २५A * 44
वर्गज अथावि २६८ * २९ मीटर कि जो सलग्न मन्मनचित्र
में रंग लाल से साफ तौर से दिखाया गया है कि जिसके चारों
ओर ५० मीटर की किन्मा में पुराने निमाण हैं मय कुल अधिकार
मुतालिका कि जिसकी नाप व सीमाये इस प्रकार हैं -

ATTESTED

Komal Singh Verma

7 09



-2-

03CC 312525

जिला न्याय
25 APR 2005
जिला न्यायाधीश

दिशा नाम
पूर्व- १०७ फुट
पश्चिम- १०७ फुट
उत्तर- ३० फुट
दक्षिण- ३० फुट

सीमा
पट्टरी वाली जगह एवं वादहू
जीवनीमण्डी रोड
शेष जमीन बंगला नम्बर बारह
गली १५ फुट चौड़ी इस तरफ मी
निकास आदि इस मूलण्ड के हैं
जमीन बंगला नम्बर ग्यारह पेट्रोलपम्प
इस तरफ दोनों ओर से कोई हक
आशायश कायम नहीं है और न
भविष्य में कायम होगा

- जिलाधिकारी आगरा उदारा स्टाम्प के लिये घोषित क्षेत्रीय दर -
घटवासन - ३२००) रुपया प्रति कर्मीटर
जीवनीमण्डी - ३५००) रुपया प्रति कर्मीटर
कोर्नर पर दस प्रतिशत अतिरिक्त
- उक्त दर के अनुसार इस विन्यप्त्र पर ११,५०,०००) रुपया पर दस
प्रतिशत की दर से १,१५,०००) रुपया का स्टाम्प जमा किया गया है।

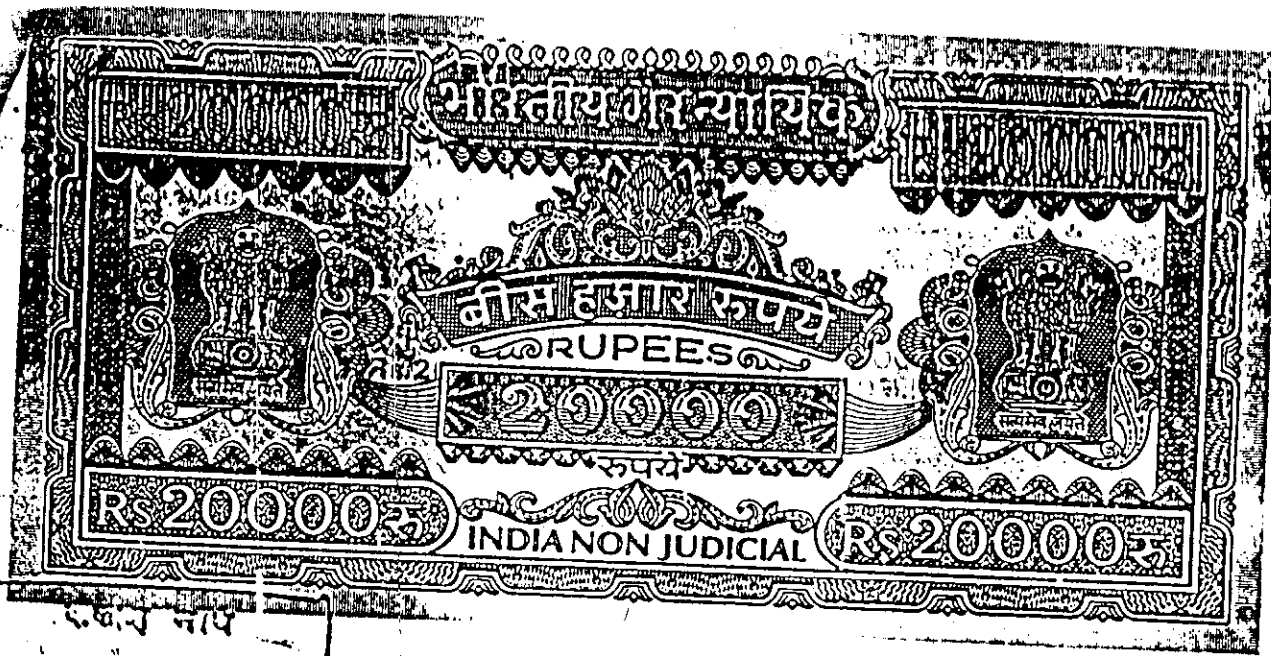
-0-0-0-

ATTEST

हमकि विन्य बुमार पाटनी पुत्र स्व० श्री हरीराल पाटनी निवासी ४६
ताज रोड सदर बाजार हावनी आगरा --- विवेता प्रथमपदा

वृत्ताञ्जलि/म. न. न्यायालय

Om Prakash Agarwal



23 APR 2005
मुख्य फोटाधिकारी
आगरा

-3-

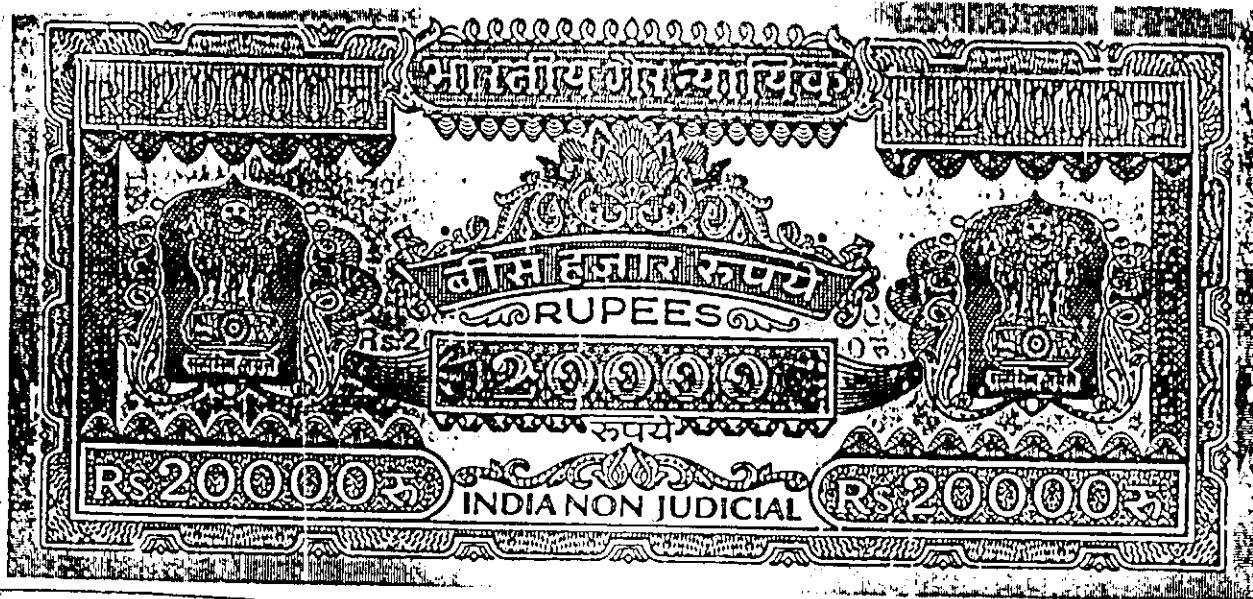
03CC 312526

1 व।
(अग्रवाल)
ओमप्रकाश पुत्र श्री राजाराम निवासी 82 गाफ रोड आगरा छावनी
आगरा ----- केता द्वितीयपदा हैं।

विदित है कि प्रथमपदा उक्त खुली जमीन मिन्सुमला काला
नम्बर बारह, मिन्सुमला गारपोरेशन नम्बर २१।२७० स्थित जीवनीमण्डी
मजरा मौजा घटवासन मुस्तकिल कृत्ता वार्ड शहर आगरा दोब्रफल
२६८ * २९ कर्मीटर के अवेले मूजातः मालिक काकिज व रिकोरेडेंड और
हैं। अन्य कोई हिस्सेदार या दावेदार या दलीलकार आदि किसी
प्रकार का नहीं है कि जो प्रथमपदा को उक्त मूखण्ड को बेचने जादि से
रोक सके तथा उक्त मूखण्ड आज तक प्रत्येक प्रकार के कण-विषय-दान-
जमानत-सौदे-दावे-भगड़े-रोक-अभ्युपग-सङ्क के विस्तार आदि-आदि
से कतई पाक व साफ है तथा उसका कोई भाग नगूल या राजकीय
आस्थान का नहीं है और न किसी भी सीलिंग वाद मे अतिरिक्त भूमि
घोषित हुआ है और न अभ्युपित हुआ है और न कोई प्रतिकर प्रथमपदा
या अन्य ने प्राप्त किया है और इसकी मिलवियत के कोई कागजात
किसी भी आड़ या जमानत आदि मे नहीं दिये गये हैं।

आगरा ०३० अप्रैल २००५

आगरा ०३० अप्रैल २००५



संलग्न नाथ
23 APR 2005
मुख्य फोषाधिकारी
बायसा

03CC 312527

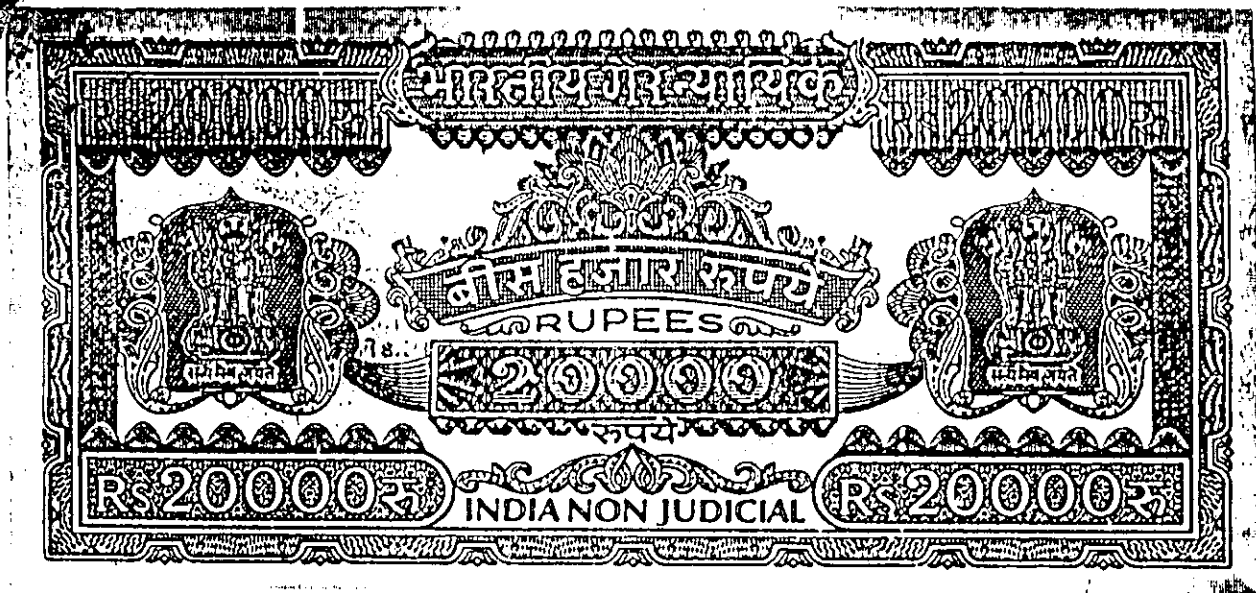
-8-

विदित हो कि पूर्व समय में मोजा फटवाहन मुस्तफिल तहसील व जिला आगरा की कुछ आराजीयात पर जोन्स स्पिनिंग मिल कौटन स्पिनिंग मिल, कोरोनेशन स्पिनिंग मिल, जोन्स प्रिन्सेस ऑफ बाल्स स्पिनिंग मिल्स एवं नोन्स रोलर फिलोर मिल सन् १९०९ से मैसर्स ए०जीन्स एण्ड कम्पनी के द्वारा संचालित किये जा रहे थे। इस कम्पनी के मालिकान कर्नल सर एडविन जोन्स नाइट, जॉर्ज रन्थोनी यूलाइरिस जीन्स एवं हेनरी स्लेस्टाइन थे। उपरोक्त मिलों के कारोबार हेतु आउट हाउसेस, सर्वेन्ट क्वार्टर्स, बंगले उपरोक्त जमीनों पर उपरोक्त कम्पनी ने बनवाये। कम्पनी की सम्पूर्ण जमीन नोन जेड ए है। जिस पर यूनाइटेड प्रोविन्स टेनेन्सी स्कट १९३६ के प्राविधान लागू हैं।

विदित हो कि सन् १९२० में मे० ए० जोन्स एण्ड कम्पनी की समस्त सम्पत्तियों को एक अन्य फर्म मैसर्स आगरा यूनाइटेड मिल्स लि० अधिग्रहित कर ली और इस आगरा यूनाइटेड मिल्स लि० ने अधिग्रहण के रकम में पचास लाख के डिबेंचर्स (कणपत्र) मे० ए० जोन्स एण्ड कम्पनी के मालिकानों को जारी किये। इन डिबेंचर्स के वाकत दोनों कम्पनियों के बीच २६।१२।१९२० को सेटिलमेंट छीड़ निम्नादिता हुई। उसमें लिखित शर्तों का उल्लेख मैसर्स आगरा यूनाइटेड मिल्स लि० द्वारा किया गया। तदनुसार एक दावा संख्या ८४।२७ माननीय सिविल जज आगरा के यहाँ दाखिल हुआ। जिसमें उन्मि डिहरी दिनांक १८-६-१९३४

[Signature]

[Signature]



-५-

03CC 312528

3-1-1935
1-1-1935
मामा

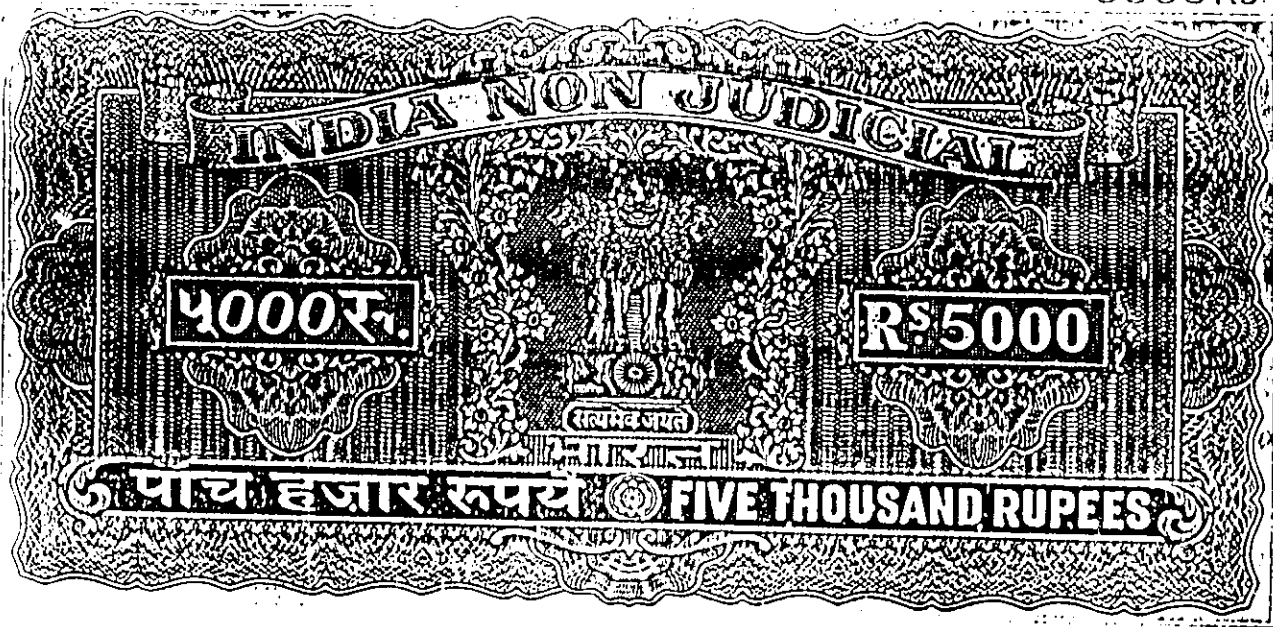
को मैसर्स आगरा यूनाइटेड मिल्स के विरुद्ध पारित की। उपरोक्त छिंदी के निष्पादन में एजराय सं० २०७।३१ दाखिल हुई। जिसमें हीरालाल पाटनी एवं मुन्नीलाल मेहरा रिखीकर नियुक्त हुये जिन्होंने आगरा यूनाइटेड मिल्स लि० की सम्पत्तियों की नीलापनी की। नीलापनी में उपरोक्त जीन्स बंधुओं ने ही सम्पत्तियां सौदी लीं। सौदी हुई सम्पत्ति में मेजर रन्थोनी यूलाइसिस जीन्स का हिस्सा ६।२० था।

विदित है कि मेजर रन्थोनी यूलाइसिस जीन्स ने अपनी सम्पूर्ण सम्पत्तियों के आपत एक धरियत दिनांकित २०-३-१९३५ निष्पादित की माननीय बम्बई उच्च न्यायालय ने उपरोक्त बलीयत पर मि० विल्फोर्ड आस्ट्रेसर्फ किराणी एडमिनिस्ट्रेटर नियुक्त किया। इन एडमिनिस्ट्रेटर साहय ने मेजर रन्थोनी यूलाइसिस जीन्स की सम्पत्तियों का ३६।४० हिस्सा का धेने का सौदा मुन्नीलाल मेहरा एवं हीरालाल पाटनी के हक में एक फौकृत डीड दिनांकित २०-१०-१९४६ बढारा किया जिसमें इन दोनों व्यक्तियों ने उन्नीस लाख रुपया उपरोक्त सौदे के सन्दर्भ में अदा किये इस फौकृत डीड का सेल डीड। एजाइन्मेन्ट डीड दोनों क्लेताओं ने समझा एवं माना।

विदित है कि माननीय सिविल जज आगरा महोदय के यहाँ पर २० जीन्स एण्ड कम्पनी की सम्पत्तियों के सन्दर्भ में पार्टिशन का दावा संख्या ३१।४० कन्वें एक्सेजेंडर वाटसन आदि बनाम रन्थोनी यूलाइसिस जीन्स आदि चलाया गया। उपरोक्त मुद्दमे ने गम्भीरमल पांड्या एण्ड

[Signature]

[Signature]



-६-

कम्पनी भी पदाकार थी। उपरोक्त त्रैलोक्य यानी हीरालाल पाटनी एवं मुन्नीलाल मेहरा ने फंक्चर डीड दिनांकित २६-१०-४६ के आधार पर उपरोक्त मुकदमा संख्या ३१४० में पदाकार बनने हेतु प्रार्थना पत्र दिया जो दिनांक १६-७-६४ को सिविल जज आगरा ने मंजूर किया। उपरोक्त मुकदमे में अंतिम छिकरी पारित हुई। कमिशनर आस्था मोगी गई जो माननीय सिविल जज महोदय ने अनुमोदित की। कमिशनर आस्था के अनुसार हीरालाल पाटनी को पीले रंग वाला हिस्सा एवं मुन्नीलाल मेहरा को हरे रंग वाला हिस्सा दिया गया।

विधित है कि पाटनीश्वर वाला मुकदमा संख्या ३१४० में हीरालाल पाटनी को जो पीले रंग वाला हिस्सा गटवारे में मिला उस हिस्से में अन्य जायदादों के अलावा कोला नम्बर ८ लगायत १३ भी शामिल है। ये बंगले सेक्ट नम्बर ५ तसरा संख्या १७३६१३ रकबा शत बीघा सत्रह बिस्वा मुकाल करक राव ग्राम पटवासन परगना व तहसील जिला आगरा की जमीन पर स्थित है। जिनका वर्तमान नगर निगम नम्बर २१२७० है। तसरा संख्या १७३६१३ का पुराना नं २२५८ है। उपरोक्त बंगले पीजा पटवासन यानि जीयनीमण्डी यार्ड कृत्ता बाजार शहर आगरा में स्थित है। हीरालाल पाटनी का स्ववास दिनांक ५-१२-१९६१ को हुआ।

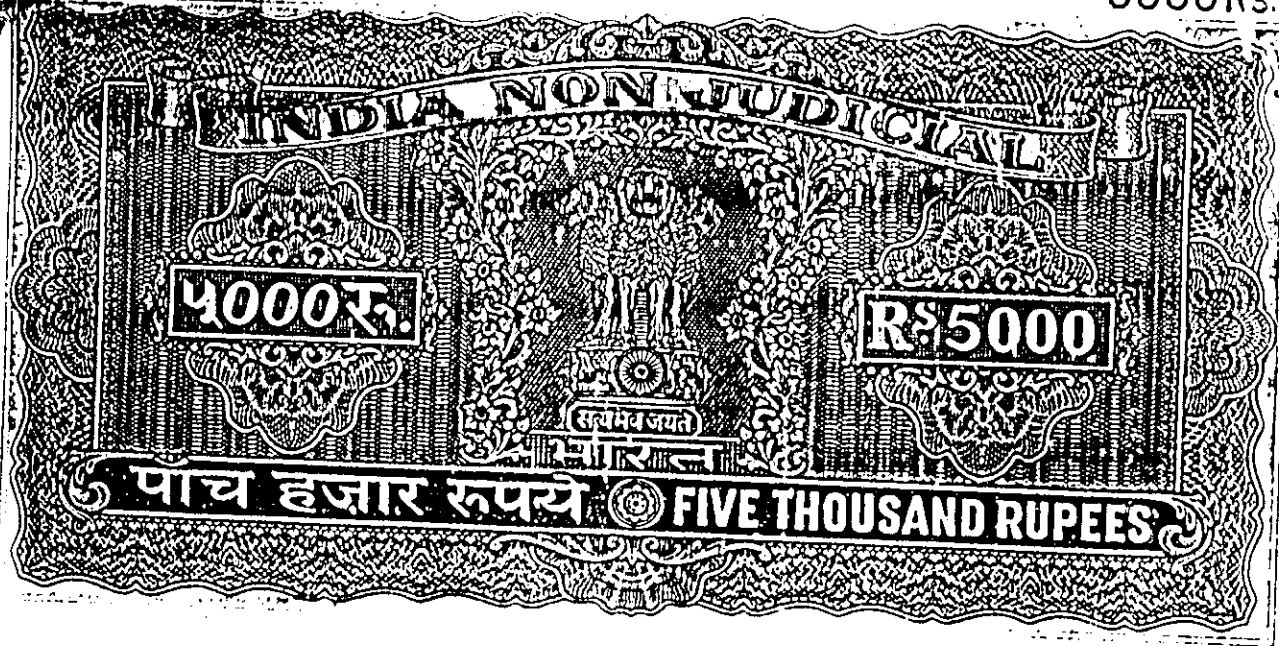
मुन्नीलाल ने अपने पीछे अपनी पत्नी श्रीमती प्यारीबाई पाटनी एवं पुत्रगण



Handwritten signature in a box.

Handwritten signature in a box.

8000RS.



-७-

संलग्न नाम

25 APR 2005

मुख्य दफ्तर दिल्ली

4182

निर्मल कुमार पाटनी - विनय कुमार पाटनी - विनय कुमार पाटनी
 वतौर उत्तराधिकारी छोड़े। इन उत्तराधिकारियों ने अपनी अन्यसम्पत्तियों
 के अतिरिक्त उपरोक्त कोलों के वाकत दिसम्बर १९९१ में एक यादगारत
 पारिवारिक समझौता प्रपत्र पारार्यारिक रूप में निष्पादित किया।
 उस पारस्परिक समझौता के अनुसार कोला नम्बर १२ विनय कुमार पाटनी
 के हक में आवंटित हुआ है, वहीं उस पर वतौर मालिक काकिल दखील चले
 आ रहे हैं। उल्लेखनीय है कि कोला नं० ११ और उसकी छली जमीन
 समझौता के अनुसार श्रीमान निर्मल कुमार पाटनी के हक में आया।
 जिसके वाकत २१-११-२००३ को फीगीत बेनामा देता श्री सुभाषचन्द
 अग्रवाल पुत्र श्री पुरुषोत्तमदास अग्रवाल के हक में किया जा चुका है।
 जोकि आजकल पेट्रोल पम्प के नाम से मशहूर।

विदित है कि विदेता विनय कुमार पाटनी ने कोला नम्बर १२
 की जमीन ~~उत्तराधिकारी के हक में~~ करीब ६०० वर्गज का बेनामा दिनांक
 २३-२-२००४ को श्री सुभाषचन्द अग्रवाल पुत्र श्री पुरुषोत्तमदास अग्रवाल
 निवासी रफ-६६६ बमलानगर आगरा को निष्पादित कर दिया है। अतः
 विनय कुमार पाटनी उक्त प्रथमपदा वर्तमान बेनामा को देता ओमप्रकाश
 अग्रवाल के हक में निष्पादित करने के लिये विधिक रूप से सक्षम है।



मुख्य दफ्तर दिल्ली
 [Signature]

for Mahabadi Agarwal
 [Signature]



5000RS.



-5-

५ लेखक नाथ

25 APR 2005

मुख्य कोष निदेशी

विदित हो कि प्रथमपदा को अपनी उक्त कुली जमीन पत्रफल २६८ * २९ वर्गमीटर कि जो सलग्न मानचित्र में रंग लाल से दिखाई गई है, से कोई विशेष लाभ नहीं है और वह अपनी विभिन्न आवश्यकताओं के कारण अपनी उक्त कुली जमीन को बाजार में अधिक से अधिक कीमत पर बेचना चाहते हैं। इस सम्बंध में प्रथमपदा के द्वारा काफी प्रयास किये जाने पर वर्तमान में केवल द्वितीयपदा अपने लिये उपयोगी पाकर बाजार के अन्य खरीदारों की अपेक्षा सबसे अधिक कीमत अदा कर रहे हैं जिसमें प्रथमपदा का पूरा-पूरा लाभ है। अतः प्रथमपदा अपनी उक्त कुली जमीन को द्वितीय पदा के हक में बेचने को तैयार हैं।

अतः प्रथमपदा ने स्वेच्छा तथा प्रसन्नता पूर्वक स्वस्थ चित्त मन बुद्धि उद्दिष्ट के बिना यहकाये सिलाये दयाव नाजासज के सब सोच समझ कर उक्त कुली जमीन को समस्त स्वत्व व अधिकार व हित व लाभ व नामांकन व पृथक् कर निर्धारण के अधिकारों सहित बिना छोड़े किसी अधिगार आदि के बाधारी कीमत से विलुक्ता व एक ८,००,०००) आठ लाख रुपया कि आधे जिसके चार लाख रुपया होते हैं बद्ध श्री ओमप्रकाश अग्रवाल पुत्र श्री राजाराम निवासी ४२ गाफ रोड, आगरा हावनी उक्त केता द्वितीयपदा के गुंड टायटिल से बेच कर्ह की ओर बेचनी।

प्रमाणित रूप निष्पाद

२५/४/०५

प्रमाणित रूप निष्पाद

प्रथमपदा ने कीमत का तुल्य रूपमा बतारा एकात्मक रूप से नम्बरी ०८३४२२ कारपोरेशन बैंक ६।३३६ सीताराम मारकेट बेलनगंज आगरा दिनांक २६-४-२००५ तादादी ८,००,०००) रूपमा बनाया दिनांक नुसार दस्तखती ओमप्रकाश अग्रवाल के वक्त रजिस्टरी बैनामा हाजा के द्वितीयपदा से वसूल पाना स्वीकार किया इस तरह प्रथमपदा को अब कोई रूपमा पाना बाकी नहीं है और न मविष्य में होगा। प्रथमपदा ने बेची गई जमीन पर से अपना कब्जा व दलाल हटाकर नाम व सीमाओं के अनुसार द्वितीयपदा का कब्जा व दलाल करा दिया और द्वितीयपदा को भी गई जमीन का मालिक मुस्तफिर व काफिल बना दिया तथा गुड टायटिल दे दिया। अब द्वितीयपदा को पूरा अधिकार है कि वह उक्त जमीन से यधेरियत मालिक व काफिल के चाहे जैसे लाभ उठाये ऋण-विप्लव आदि करे और निर्माण आदि कराये और चाहे जिस तौर स्तेमाल में लावे और अपना नामांकन व बेची गई जायदाद का पृथक कर निर्धारण सम्बंधित विभागों में कराले प्रथमपदा अपना सहयोग प्रदान करेगे। आज तक के तुल्य बकाया टैक्स-चार्ज आदि यदि कोई होंगे तो उन्हें प्रथमपदा अदा करेगे और आज के बाद के द्वितीयपदा अदा करेगे।

यदि मविष्य में कभी कोई दावेदार किसी प्रकार का बेची गई जमीन के सम्बंध में पैदा होकर कोई दावा व मगगड़ा द्वितीयपदा से करे और उसके कारण या प्रथमपदा के डिफेक्टिव टायटिल से कब्जा या दलाल या स्थापित्व पूर्ण या आंशिक रूप से बेची गई जमीन का द्वितीयपदा से निवृत्त जाये तो उन सुल्ल तुल्य की जवाबदेही व जिम्मेदारी व अदा करना जरेखन का मय सूद व उरणा व खरचा के व जिम्मे जात खास व जायदाद हर किसम प्रथमपदा व वारिसान प्रथमपदा के है और आयदा हागा और इसमें प्रथमपदा व वारिसान प्रथमपदा को कभी कुछ उजर न हागा। उक्त जमीन किलकुल खाली है और उस पर न तो कोई निर्माण है और न बेचे गये हैं और न प्रथमपदा के ठेकारा बनाकरदिये जाने हैं। इस बैनामा का तुल्य खरचा द्वितीयपदा के जिम्मे है।

प्रमाणित/२००५/४० दिनांक

प्रमाणित/२००५/४० दिनांक

[Signature]

[Signature]

उम पदार्थ के आधुनिक स्थापित लिखा लिखा जा प्रकार है -

विन्स कुमार पाटनी - ए बी जे पी पी - ४२१६-एफ

ओमप्रकाश अग्रवाल - ए ए के पी ए - ८३८२-४५

अतः यह बेनामा हस्त हिरायत पदाकारों के लिख दिया कि सनदरखीर समयपर काम आवे । नोट-पत्र १ की सतर १० में अथावि य २६८ २१ के बीच का शब्द कटा हैव पत्र ३ की सतर २ में ओमप्रकाश व पुत्र के बीच निशान बनाकर (अग्रवाल) वालाये सतर तथरीर है य पत्र ४ की सतर ४ में (से) व आसिरी सतर में (१८-६-१६३१) व पत्र ७ की सतर १३ में जमीन व करीब के बीच का शब्द कटा हैव पत्र ६ की सतर २१ में उन व कुल के बीच का शब्द कटा हैजो हमको मजूर है । लेख दिनांक- २६-०४-२००५ई०।

अमसीया - फं अनुमानप्रकाश यौश्ल निवासी नूरीदरवाणा आगरा।

टायपवाही पुरनचन्व शमीतहसील परिसर आगरा।

स्तावेज लेखक का नाम-हनुमान प्रसाद कोहल
प्रमाणित तै 6 दिनांक २००५ ई०
दिनांक १६/०४/२००५
दिनांक १६/०४/२००५
दिनांक १६/०४/२००५
AN ADAPK-1376-B

१० व ११
[Signature]

प्रमाणित/नि० न० लिखावट

[Signature]

राष्ट्री श्री सुभाष चन्द्र बोस

श्री श्री सुभाष चन्द्र बोस

दिनांक १६/०४/२००५

प्रमाणित/नि० न० लिखावट

राष्ट्री श्री दीनानाथ दत्त

श्री श्री दीनानाथ दत्त

दिनांक १६/०४/२००५

प्रमाणित/नि० न० लिखावट

दिनांक १६/०४/२००५

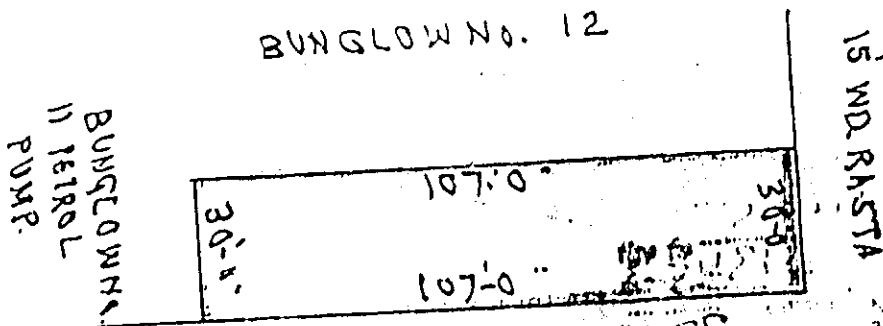
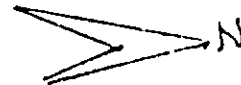
SITE PLAN OF LAND KHASRA No. 2258 N.N.N. 21/270
JIWANI MANDI AGRA

OWNER:- SRI VINAY KUMAR PATNI

SOLD TO:- SRI OM PRAKASH AGARWAL

SHOWN IN RED COLOUR

AREA: 356.66 SQYD

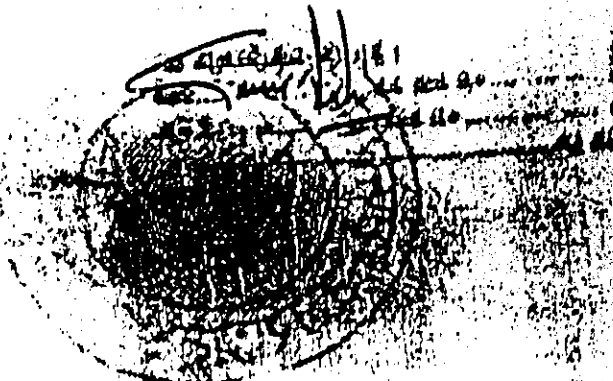


JIWANI MANDI ROAD

(Khasra) No. 2258 N.N.N. 21/270

Red Hatched Area

Sri Om Prakash Agarwal



TRAFFIC

[Signature]

VIKESH CHAND

Surveyor/D. Map

17/66, Hindu Kutra, AGRA

TRUE COPY